IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 2, December 2022
Impact Factor: 6.252

उद्धवगीता में 24 गुरुओं की शिक्षाओ का मानव जीवन में उपयोगिता

डॉ. अनुजा रोहिला
असिस्टेंट प्रोफेसर संगीत, श्रीगुरु राम राय वि. वि., देहरादून

शोधसार– उद्धवगीता श्रीकृष्ण और उद्धव के मध्य वह दिव्य संवाद है, जो स्वधामगमन से पूर्व श्रीकृष्ण ने उद्धव को सुनाया। इसमें गुरुरूप में श्रीकृष्ण ने अपने प्रिय सखा उद्धव के शोक और मोह को दूर करने के लिए शिक्षा दी है। उन शिक्षाओं के द्वारा मनुष्य अपना विवेक जागृत करके संसार के मायाजाल से मुक्त हो सकता है। इसमें निहित शिक्षाओं को विभिन्न कथानकों, दृष्टान्तों और आख्यानों के रूप में बताया गया है। सांसारिक विषय–वासनाओं और लोभ–मोह के दावानल से मुक्त होने के लिए इसमें राजा यदु और अवधूत दत्तात्रेय का संवाद अत्यंत शिक्षाप्रद है। इसमें दत्तात्रेय के द्वारा अपनी बुद्धि से बहुत से गुरुओं का आश्रय लेने की बात बतायी गई है। उनके गुरु कोई सिद्ध पुरुष न होकर सामान्यतः अपने परिवेश में पाए जाने वाले प्राणी, पशु आदि थे। जिनसे प्राप्त शिक्षाओं को अपनाकर सांसारिक मोहमाया से मुक्त हुआ जा सकता है। अतः प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य उद्धवगीता का परिचय कराते हुए उसमें वर्णित उन 24 गुरुओं की शिक्षाओं की विवेचना करना है, जिनका आश्रय लेकर दत्तात्रेय इस संसार में मुक्तभाव से स्वच्छंद विचरते थे।

मुख्यशब्द– उद्धवगीता, गुरु, शिक्षा, विवेकज्ञान।